अयोध्या नाथ से जाकर पवनसुत हाल कह देना लिरिक्स

अयोध्या नाथ से जाकर,
पवनसुत हाल कह देना,
तुम्हारी लाड़ली सीता,
हुई बेहाल कह देना,
अयोंध्या नाथ से जाकर,
पवनसुत हाल कह देना।bd।

जब से लंका में आई,
नहीं श्रृंगार है कीन्हा,
नहीं बांधे अभी तक,
खुले है बाल कह देना,
अयोंध्या नाथ से जाकर,
पवनसुत हाल कह देना।bd।

यहाँ रावण सदा धमकी,
मुझे तलवार की देता,
करो तलवार के टुकड़े,
ये अंजनीलाल कह देना,
अयोंध्या नाथ से जाकर,
पवनसुत हाल कह देना।bd।

अंगूठी राम को देकर,
सुनाना हाल सब दिल का,
भूले राम सीता को,
ये अंजनीलाल कह देना,
अयोंध्या नाथ से जाकर,
पवनसुत हाल कह देना।bd।

अगर एक मास के अन्दर,
मेरे राम ना आये,
तो सीता राम ना पाये,
ये अंजनीलाल कह देना,
अयोंध्या नाथ से जाकर,
पवनसुत हाल कह देना।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

अयोध्या नाथ से जाकर,
पवनसुत हाल कह देना,
तुम्हारी लाड़ली सीता,
हुई बेहाल कह देना,
अयोंध्या नाथ से जाकर,
पवनसुत हाल कह देना।bd।

गायक – पं. श्री रविकांत भार्गव।
प्रेषक – मनोज।
9425072274

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com